मेला बाबा का | By Sanju Ghanshyam

के मेला बाबा का .....
के मेला बाबा का आता है हर साल
के फागुन महीने में .....
के फागुन महीने में आते भक्त तमाम
के मेला बाबा का .....
के मेला बाबा का .....

कोई नंगे पैरो आवे कोई पेट पलानिया
कोई झूमता नाचता आवे, कोई श्याम रटनिया
कोई शंख बजाता आवे कोई घाल घुमरिया
के मेला बाबा का .....

कोई लावे चिन्ह गुलाबी कोई नीला पीला
कोई रंग गुलाल उड़ावे केसरिया पचरंगा।
भगता के संग होली खेले खाटू का ये छलिया
के मेला बाबा का .....

कोई लावे ध्वजा नारियल कोई भेंट चढ़ावे
मन की मुरादें पूरी पावे जो नर नारी आवे
श्याम बहादुर अंदर मोरछड़ी लहराया
के मेला बाबा का .....

श्याम दीवाना श्याम का होके गावे और बजावे
आसा की बदले रे काये सबको ये बतलाये
झूम झूम कर नाचता गाया श्याम ध्वजा लहराया
के मेला बाबा का .....

संजू घनश्याम टेर लगाते सबकी सुनते बाबा
जो भी आकर शीश नवाते झोली भरते बाबा
शशिकांत ये सबको कहता आओ श्याम नगरिया
के मेला बाबा का .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b2%e0%a4%be-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a4%be-by-sanju-ghanshyam/